Suicide by Cotton Farmers in Andhra Pradesh

332. SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether mass sucide by cotton farmers in Andhra Pradesh is on account of alleged biological warfare launched by the USA; and

(b) if so, the action taken to stop such malpractice?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) and (b) The sucide by farmers in Andhra Pradesh was due to damage to crops, mainly cotton, due to pest attack and indebtedness of the farmers. The pest attack was further aggravated by excessive and indiscriminate use of sub-quality chemicals and faulty spray equipments.

कृषि उत्पादन

333. **श्री राज मोहिन्द्र सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार ने देश में कृषि क्षेत्र में वर्षा की और इस पर निर्भर सिंचाई की अनिश्चितता को दूर करने के लिए कोई शोध कराया है; यदि हां, तो इसके क्या परिणाम रहे?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने समूचे देश के लिये मौसमी वर्षा की कुल मात्रा के संबंध में व्यापक भविष्यवाणी करने के लिए प्रतिदर्शों का विकास किया है तथा मौसमी मानसून वर्षा के संबंध में पूर्व-कथन के क्षेत्र में अनुसंधान को उच्च प्राथमिकता दी है। भविष्यवाणी में दो पहलू शामिल हैं—(1) गुणात्मक भविष्यवाणी कि देश में मानसून की वर्षा सामान्य होगी या नहीं, जहां सामान्य की लम्बी अवधि के औसत के (+/-) 10 प्रतिशत की सीमा के अंतर्गत हुई वर्ष के रूप में परिभाषित किया जाता है, तथा (2) लम्बी अवधि के औसतमान के प्रतिशत के रूप में वर्ष का परिमाणात्मक परिकलन छोटे, छिट-पुट तथा कालिक पैमाने पर मानसून वर्षा की भविष्यवाणी जारी करने के लिए अनुसंधान संबंधी प्रयास किये जा रहे हैं।

इसके अलावा, आई०एम०डी० 17 भविष्यवाणी कार्यालयों के माध्यम से दिन में दो बार किसानों के लिये मौसम संबंधी बुलेटिन जारी करता है। इसे स्थानीय भाषाओं में आकाशवाणी से प्रसारित किया जाता है। इन बुलेटिनों में 48 घण्टों के लिये जिलावार भविष्यवाणी आगामी दो दिनों की संभावनायें तथा अत्यधिक वर्षा ओला वृष्टि तथा तुषारापात आदि की घटनाओं के संबंध में यदि कोई हो, विशेष चेतावनी शामिल होती है।

भारतीय मौसम-विज्ञान विभाग राज्य कृषि विभागों के विशेषज्ञों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए किसानों के लिए कृषि संबंधी मौसम-विज्ञानी परामर्श सामग्री जारी करता है। दूरदर्शन के क्षेत्रीय केन्द्रों, आकाशवाणी तथा स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से सप्ताह में एक बार इनका प्रचार किया जाता है। इस परामर्श सामग्री में गत सप्ताह के दौरान मौसम का सारांश, कीट तथा रोगों के संबंध में जानकारी सहित मौजूदा फसल स्थिति संबंधी आंकड़े, तथा संभावित मौसम के अनुसार कीटनाशकों के छिड़काव, उर्वरकों के प्रयोग तथा सिंचाई के मामले में किसानों को सलाह शामिल होती है।

कृषि मंत्रालय में फसल मौसम निगरानी दल बदलती हुई मौसम संबंधी स्थिति तथा देश के 63 प्रमुख जलाशयों की सिंचाई क्षमता को ध्यान में रखते हुये कृषि परिदृश्य की आवधिक रूप से समीक्षा करता है तथा जहां कहीं भी आवश्यक है कृषि पर मौसम संबंधी अनिश्चितताओं के प्रतिकूल असर को समाप्त करने के लिये आकस्मिकता संबंधी उपाय करता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा शुरू की गई शुष्क भूमि, कृषि के लिये अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत देश के अर्ध-शुष्क तथा मौसम के अनुसार शुष्क क्षेत्रों में फसल की पैदावार को सीमित करने वाली कठिनाइयों की पहचान तथा विश्लेषण करने के लिये बहु-विषयी दृष्टिकोण अपनाया जाता है।

World Bank Assistance for Fisheries in Assam

334. SHRI PRAKANTA WARISA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether World Bank is providing assistance to the State of Assam for the development of fisheries project;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the amount of assistance being received from the World Bank during each of the last three years?